- भूखे जानवरों को संभावित विषाक्त चारे तक पहुंचने से पहले उनके सेवन की दर को कम करने के लिए कोई अन्य हरी घास या सूखा चारा खिलाया जाना चाहिए।
- यदि चारागाह में दलहनी हरा चारा मिश्रित कर दिया जाये तो चारागाह घास से नाइट्रेट-नाइट्राइट विषाक्तता के जोखिम को कम किया जाता है ।

साइनाइड और नाइट्रेट विषाक्तता का निदान और उपचार:

यदि कोई बीमार या मृत जानवर पाया जाता है, तो तुरन्त पशु चिकित्सक से सलाह लें। पोस्टमॉर्टम जांच कराकर मौत के सही कारण का पता लगायें। पशुचिकित्सक उपयुक्त नमूने एकत्र करेगा और उन्हें प्रयोगशाला परीक्षण के लिए जमा करेगा। यदि ज्वार की फसल से विषाक्तता का सन्देह हो तो ज्वार के सभी स्टॉक को तुरन्त हटा दें।

परीक्षण के लिए चारे के नमूने भेजना:

पौधों के नमूने, पशु की नाँद के नमूने एकत्र कर, उचित रूप से पैक करके जितनी जल्दी हो सके और बिना नुकसान के प्रयोगशाला में पहुँचायें। ताजे पौधों के नमूनों के लिए, रूट बॉल को खोदकर गीले अखबार में लपेट दें। पेपर रैपिंग का उपयोग ताजा पौधे या घास के नमूनों को पैकेज करने के लिए किया जाना चाहिए। प्लास्टिक की थैलियों में जमा न करें क्योंकि इससे परिणाम गलत हो सकते हैं।

चारा फसलों का पशु आहार में उपयोग करने के लिए दिशानिर्देश

साइनाइड और नाइट्रेट विषाक्तता के जोखिम को निम्न सावधानियाँ रखनी चाहिये:

- तनावग्रस्त पौधों को या जब पुनर्विकास हो रहा हो रहा हो ऐसे चारे को न खिलायें।
- जब तक छोटी किस्मों के पौधे 45 सेमी से अधिक और लंबी किस्मों के 75 सेमी ऊंचे न हों, तब तक न खिलायें। फूल वाले पौधों तथा अनाज में जहर के स्टॉक होने की संभावना कम होती है ।
- अधिक भूखा होने पर जमा किया ज्वार न खिलायें। यदि पशु थोड़े समय में बड़ी मात्रा में चारा खाते हैं तो उनमें जहर होने की संभावना सबसे अधिक होती है ।
- चारा के स्टॉक को बारीकी से देखें और दिन में कम से कम दो बार निगरानी करें। उपयोग से पूर्व साइनाइड और/या नाइट्रेट के स्तर के लिए फसलों की जांच करायें।
- सोरघम में सल्फर की मात्रा कम होती है और सल्फर लीवर को साइनाइड को डिटॉक्सीफाई करने में मदद करता है। अत: चारे को सल्फर युक्त ब्लॉक या शीरा (जो प्राकृतिक रूप से सल्फर से भरपूर होता है) के साथ खिलायें।
- ज्वार को 50 दिन की अवस्था से पहले खिलाने से बचें तथा देशी ज्वार की प्रजातियों को वर्षा होने के पश्चात ही खिलायें।
- हे और साइलेज आम तौर पर एचसीएन से मुक्त होते हैं।
- प्राथमिक उपचार के रूप में प्रभावित पशुओं को रक्त के ऑक्सीजन परिवहन की क्षमता को बहाल करने के लिए सोडियम थायोसल्फेट का अंत:शिरा इंजेक्शन दिया जा सकता है। पशुओं को अतिरिक्त ऊर्जा प्रदान करने के लिए गुड़ की दो पूरी खेप दी जा सकती है।

लेखक : डा. श्रुति, वैज्ञानिक
डा. मदन सिंह, वैज्ञानिक
डॉ. उज्ज्वल दे, वरिष्ठ वैज्ञानिक
डा. ब्रज पाल सिंह, प्रधान वैज्ञानिक
श्री राकेश पाण्डे, विषय वस्तु विशेषज्ञ

संपादन एवं डिजाइन : डा. श्रुति, वैज्ञानिक, प्रसार शिक्षा विभाग, भाकृअनुप-भापचिअनुसं, इज्जतनगर
संरक्षण : डा. महेश चन्द्र, अध्यक्ष, प्रसार शिक्षा विभाग, भाकृअनुप-भापचिअनुसं, इज्जतनगर
प्रकाशक : निदेशक, भाकृअनुप-भापचिअनुसं, इज्जतनगर
मुद्रक : बाइट्स एण्ड बाइट्स, मो. 94127 38797

ज्वार के हरे चारे से साइनाइड और नाइट्रेट विषाक्तता-कारण एवं निवारण

आज़ादी का अमृत महोत्सव

प्रसार शिक्षा विभाग

भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान
इज्जतनगर-243 122 (उ.प्र.)